

इनका कहना है

रीता हिरानी (Rita Hirani), अंतरिम सीईओ: हमारी हैल्पलाइन इस तरह बनाई गई है ताकि समलैंगिक महिला (लैस्बियन), समलैंगिक पुरुष (गे), उभयलिंगी (बाइसेक्सुअल) और ट्रांसजेंडर लोग अपने मसलों के बारे में ऐसे पेशेवरकर्मियों के साथ बात कर सकें जो सांस्कृतिक मसलों और संदर्भ को समझते हों।

ग्रेग (Greg), हैल्पलाइन: एक मिथ्याधारणा है कि LGBT लोग हमेशा डांस पार्टियों में जाते हैं, अपने 'पिक पाउंड' खर्च करते हैं और मजे करते हैं। अनेक LGBT लोगों की सच्चाई यह है कि हमारा जीवन गरीबी, भेदभाव, होमोफोबिया और घरेलू हिंसा से ग्रस्त है। हमें इन मसलों को सार्वजनिक करना चाहिए और ऐसी सेवाओं की मांग करनी चाहिए जो इन असमानताओं का मुकाबला कर सकें।

आयना फिस्ता (Iona Fiesta), आउटस्क्रास संपादक: LGBT घरेलू हिंसा कुछ-कुछ 'कमरे में हाथी होने' जैसी ही स्थिति है : हम सब जानते हैं कि ऐसा है, हम सभी संभवतः इसे झेलने वाले व्यक्ति को जानते हैं, लेकिन तो भी हम में से अनेक लोग सच्चाई का मुकाबला करने के बजाय इसे छुपाते हैं। हो सकता है कि इसमें शर्मिंदगी वाली बात हो - हम शेष समाज को इस बात पर सहमत करने की कोशिश नहीं करते कि समलैंगिक पुरुष भी अच्छे नागरिक होते हैं और हम यह स्वीकार नहीं करते कि हम में भी वही कमियां हैं जो दूसरे सभी लोगों में होती हैं। फिर भी यदि हमारा समुदाय इसकी कोशिश करे तो हम वाकई यह करने के लिए बहुत मजबूत हैं।

पॉलिन, LGBT घरेलू हिंसा से छुटकारा पाए हुए, लंदन: मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ बिंदु था उस पहली महिला के लिए अपने प्यार से मेरा अलगाव जिससे मैं मिला था लेकिन तथ्य यह था कि मैं उसे, और अपने प्रति उसके नकारात्मक पक्ष और व्यवहार को नहीं बदल सकी और यह मेरी गलती नहीं थी और यह दूर नहीं हो सकती थी। उसका बर्ताव जारी रहा और यह किसी दूसरी चीज में बदल गया और यह बदतर होता गया। घरेलू हिंसा नीचे की दिशा में होने वाली कुंडलाकार गति है। एक बार शुरू होने के बाद यह तब तक बंद नहीं होती या तब तक स्थिति बेहतर नहीं होती जब तक कि कोई सकारात्मक कदम न उठाया जाए।